

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

D-3805**Time : 1¼ hours]****PAPER – II
MARATHI****[Maximum Marks : 100****Number of Pages in this Booklet : 16****Number of Questions in this Booklet : 50****Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

Example : (A) (B) (C) (D)

where (C) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There is NO negative marking.

Answer Sheet No. :

(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
 - इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

उदाहरण : (A) (B) (C) (D)

जबकि (C) सही उत्तर है।
- प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- केवल नीले/ काले बाल ज्वार्डेट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

MARATHI

PAPER – II

प्रश्नपत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty** (50) objective-type questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

टीप : या प्रश्नपत्रिकेत विविध विकल्प असलेले पन्नास (50) प्रश्न आहेत. प्रत्येक प्रश्नास दोन (2) गुण आहेत. सर्व प्रश्न सोडवा.

1. नेवासे येथील शिलालेख कोणत्या सालातील आहे ?
(A) इ.स. 1195 (B) इ.स. 1239 (C) इ.स. 1161 (D) इ.स. 1172
2. 'जो फोडी लोपी तेआ योगीनींचा वज्ररडू पडे' हे वाक्य कोणत्या शिलालेखात आहे ?
(A) आंबेजोगाई (B) श्रवणबेळगोळ (C) पंढरपूर (D) पाटण
3. 'उद्धवगीता' या ग्रंथाचा कर्ता कोण ?
(A) म्हाइंभट (B) भास्करभट्ट बोरीकर (C) नागदेवाचार्य (D) लक्ष्मींद्रभट
4. विशिष्ट भाषेत योजल्या जाणाऱ्या मूलध्वनींना भाषाविज्ञानाच्या परिभाषेत कोणती संज्ञा आहे ?
(A) ध्वनी (B) वर्ण (C) पद (D) स्वनिम
5. ब्ल्यूम फिल्डच्या 'लॅंग्वेज' (1933) या ग्रंथाला कोणत्या भाषावैज्ञानिक अभ्यासपद्धतीची 'प्रत्यक्ष सनद' म्हटले जाते ?
(A) ऐतिहासिक (B) एककालिक (C) वर्णनात्मक (D) तौलनिक
6. अहिराणी ही बोली कोणत्या प्रदेशात प्रचलित आहे ?
(A) मराठवाडा (B) खानदेश (C) कोकण (D) विदर्भ
7. मराठीच्या लेखननियमांनुसार कोणता शब्द बरोबर आहे ?
(A) तात्त्विक (B) तात्त्विक (C) तात्वीक (D) तातवीक

8. भाषेच्या सौंदर्यसर्जनाच्या कार्यास कोणती संज्ञा दिली जाते ?
 (A) रीतिगत कार्य (B) अर्थगत कार्य (C) शैलीगत कार्य (D) वर्णनगत कार्य
9. 'झाडाझडती' ही कादंबरी कोणत्या समस्येवर आधारित आहे ?
 (A) भूकंपग्रस्तांच्या समस्या (B) धरणग्रस्तांच्या समस्या
 (C) प्रदूषणग्रस्तांच्या समस्या (D) पूरग्रस्तांच्या समस्या
10. पुढील ग्रंथ व त्यांचे ग्रंथकार यांच्या जोड्या जुळवा.
 (a) अभिनव काव्यप्रकाश (i) रा. श्री. जोग
 (b) सृष्टी, सौंदर्य आणि साहित्यमूल्य (ii) मुक्तिबोध
 (c) सौंदर्याचे व्याकरण (iii) द. के. केळकर
 (d) काव्यालोचन (iv) सुरेंद्र बारलिंगे
 (A) (a) - (i), (b) - (ii), (c) - (iv), (d) - (iii)
 (B) (a) - (ii), (b) - (i), (c) - (iii), (d) - (iv)
 (C) (b) - (i), (c) - (ii), (d) - (i), (a) - (iv)
 (D) (d) - (i), (c) - (ii), (b) - (ii), (a) - (i)
11. पुढील सिद्धांत आणि सिद्धांतकर्ते यांच्या जोड्या जुळवा.
 (a) सविकल्पसमाधी (i) न. चिं. केळकर
 (b) उदात्तता (ii) बा. सी. मर्ढेकर
 (c) वाङ्मयीन महात्मता (iii) ऑरिस्टॉटल
 (d) अनुकृतीचा सिद्धांत (iv) लाँजायनस
 (A) (a) - (i), (b) - (iv), (c) - (i), (d) - (ii)
 (B) (b) - (i), (c) - (ii), (d) - (iv), (a) - (iii)
 (C) (a) - (i), (b) - (iv), (c) - (ii), (d) - (iii)
 (D) (d) - (i), (c) - (iii), (b) - (ii), (a) - (iv)

12. पुढील अभ्यासक आणि अभ्यासविषय यांच्या जोड्या जुळवा.

- | | |
|-------------------------|-------------------|
| (a) श्री. के. क्षीरसागर | (i) लोकसाहित्य |
| (b) दुर्गा भागवत | (ii) समीक्षा |
| (c) अशोक केळकर | (iii) भाषाविज्ञान |
| (d) मोरो केशव दामले | (iv) व्याकरण |
- (A) (a) - (iv), (b) - (iii), (c) - (ii), (d) - (i)
(B) (d) - (i), (c) - (ii), (b) - (iii), (a) - (iv)
(C) (a) - (ii), (b) - (i), (c) - (iii), (d) - (iv)
(D) (c) - (i), (d) - (ii), (b) - (iv), (a) - (iii)

13. मराठीत अनुवादित झालेल्या पुढील पुस्तकांच्या व त्यांच्या लेखकांच्या जोड्या लावा.

- | गट-1 | गट-2 |
|------------------------|------------------------------|
| (a) 'एक चादर मैली-सी' | (i) इंदिरा गोस्वामी |
| (b) 'आधालेखा दस्तावेज' | (ii) शिवराम कारंथ |
| (c) 'श्रीकांत' | (iii) शरच्चंद्र चट्टोपाध्याय |
| (d) 'मुकज्जिये कनसगळु' | (iv) राजेंद्रसिंह बेदी |
- (A) (a) - (iv), (b) - (i), (c) - (iii), (d) - (ii)
(B) (a) - (i), (b) - (iii), (c) - (ii), (d) - (iv)
(C) (a) - (iii), (b) - (ii), (c) - (iv), (d) - (i)
(D) (a) - (ii), (b) - (iv), (c) - (i), (d) - (iii)

14. पुढील दोन गटांतील शब्द आणि त्यांच्या व्याकरणातील जाती यांच्या जोड्या लावा.

- | गट-1 | गट-2 |
|------------|--------------------------|
| (a) चटकन | (i) उभयान्वयी अव्यय |
| (b) म्हणून | (ii) केवल प्रयोगी अव्यय |
| (c) अरेरे | (iii) क्रियाविशेषण अव्यय |
| (d) पर्यंत | (iv) शब्दयोगी अव्यय |
- (A) (a) - (i), (b) - (ii), (c) - (iv), (d) - (iii)
(B) (a) - (iii), (b) - (i), (c) - (ii), (d) - (iv)
(C) (a) - (ii), (b) - (iv), (c) - (iii), (d) - (i)
(D) (a) - (iv), (b) - (iii), (c) - (i), (d) - (ii)

15. पुढील दोन गटांतील संबोधने आणि मायने यांच्या योग्य जोड्या लावा.

गट-1	गट-2
(a) प्रिय रोहिणीस,	(i) सादर नमस्कार
(b) चि. रोहिणीस,	(ii) सप्रेम नमस्कार
(c) सौ. रोहिणीवहिनींना,	(iii) सप्रेम आशीर्वाद
(d) ती. सौ. रोहिणीमामींना,	(iv) साष्टांग नमस्कार
(A) (a) - (i), (b) - (iv), (c) - (i), (d) - (iii)	
(B) (a) - (iii), (b) - (i), (c) - (iv), (d) - (i)	
(C) (a) - (ii), (b) - (iii), (c) - (i), (d) - (iv)	
(D) (a) - (iv), (b) - (i), (c) - (iii), (d) - (i)	

16. पुढील दोन गटांमधील बातम्यांची शीर्षके आणि बातम्यांचे प्रकार यांच्या जोड्या लावा.

गट-1	गट-2
(a) 'षट्कारांची आतषबाजी'	(i) कलाजगत
(b) 'सुनामीपीडितांस मदतीचा ओघ'	(ii) क्रीडाजगत
(c) 'ऑस्कर पारितोषिकांचे वितरण'	(iii) राजकारण
(d) 'नव्या सरकारावर विश्वास-मत'	(iv) सामाजिक
(A) (a) - (iii), (b) - (ii), (c) - (iv), (d) - (i)	
(B) (a) - (i), (b) - (iii), (c) - (ii), (d) - (iv)	
(C) (a) - (iv), (b) - (i), (c) - (iii), (d) - (ii)	
(D) (a) - (ii), (b) - (iv), (c) - (i), (d) - (iii)	

17. पुढील दोन गटांतील जाहिरात-माध्यमे आणि त्यांनी आवाहन केल्या जाणाऱ्या संवेदना यांच्या योग्य जोड्या लावा.

गट-1	गट-2
(a) दूरदर्शन	(i) श्राव्य
(b) आकाशवाणी	(ii) दृक्
(c) वृत्तपत्रे	(iii) प्रत्यक्ष अनुभव
(d) फुकट नमुना-भेटी	(iv) दृक्-श्राव्य
(A) (a) - (ii), (b) - (i), (c) - (iv), (d) - (i)	
(B) (a) - (iv), (b) - (i), (c) - (ii), (d) - (iii)	
(C) (a) - (iii), (b) - (i), (c) - (iv), (d) - (ii)	
(D) (a) - (i), (b) - (ii), (c) - (iii), (d) - (iv)	

18. मराठीत अनुवादित झालेले पुढील लेखक आणि त्यांच्या साहित्यनिर्मितीच्या मूळ भाषा यांच्या जोड्या जुळवा-

गट-1

गट-2

- | | |
|-------------------|-------------|
| (a) तसलिमा नसरीन | (i) रशियन |
| (b) उमर खय्याम | (ii) बांगला |
| (c) डोस्टोव्हस्की | (iii) जर्मन |
| (d) ग्यएटे | (iv) फार्सी |
- (A) (a) - (i), (b) - (iii), (c) - (ii), (d) - (iv)
- (B) (a) - (iv), (b) - (i), (c) - (iii), (d) - (ii)
- (C) (a) - (ii), (b) - (iv), (c) - (i), (d) - (iii)
- (D) (a) - (iii), (b) - (ii), (c) - (iv), (d) - (i)

19. महाभारतावर आधारित मराठी ललितकृतींपेक्षा 'पर्व' ही भैरप्पांची अनुवादित कादंबरी एक नवा दृष्टिकोण प्रकट करते, कारण त्यामध्ये महाभारतातील पात्रांचे संपूर्ण मानवीकरण केलेले आहे.

- (A) विधान बरोबर, पण कारण चुकीचे.
- (B) विधान चुकीचे, पण कारणातील उल्लेख सत्य.
- (C) विधान आणि कारण यांत काहीही सत्यांश नाही.
- (D) विधान आणि कारण दोन्हीही संपूर्ण सत्य.

20. मराठीमध्ये विशेषनामांचे सामान्य रूप बनविण्याची प्रथा लुप्त झाली, याचे कारण इंग्रजी भाषेचा प्रभाव हे होय.

- (A) वरील विधान संपूर्ण सत्य आहे.
- (B) विधान सत्य आहे, पण कारण चुकीचे आहे.
- (C) विधान सत्य नाही, पण कारण युक्त आहे.
- (D) विधान संपूर्ण चुकीचे आहे.

21. आजकाल पत्रलेखनाचे पारंपरिक मायने कटाक्षाने पाळले जात नाहीत. कारण व्यक्तिव्यक्तींमधील संबंध औपचारिक उरलेले नाहीत, ई-मेलचा प्रसार होत आहे आणि पत्रलेखनापेक्षा दूरध्वनीचा उपयोग करणे लोक जास्त पसंत करतात.
- (A) वरीलपैकी तिन्ही कारणे रास्त आहेत
 (B) वरीलपैकी दोन कारणे रास्त आहेत
 (C) वरीलपैकी एकच कारण रास्त आहे
 (D) वरीलपैकी एकही कारण रास्त नाही.
22. एखाद्या चर्चासत्राचा वृत्तांत केवळ कार्यक्रमपत्रिकेच्या आधारे कल्पनेने लिहून काढणे धोक्याचे असते, कारण :
- (A) कार्यक्रमपत्रिकेत मुद्रणाच्या चुका असतात.
 (B) आशा वृत्तांतात मूळ वक्त्यांचे सर्व मुद्दे येऊ शकत नाहीत.
 (C) कार्यक्रमपत्रिकेतील वक्ते व त्यांचा क्रम ऐनवेळी बदलू शकतो.
 (D) कार्यक्रमपत्रिका सर्वानी पाहिलेली असते.
23. दूरदर्शनवरील काही जाहिरातींबद्दल विरोधी मतप्रदर्शने केली जातात, कारण त्यांतून स्त्रियांच्या देहदर्शनाला अवास्तव प्राधान्य दिले जाते.
- (A) वरील कारण पूर्णतः सत्य आहे
 (B) वरील कारण सत्य आहे, पण ते एकमेव कारण नाही.
 (C) वरील कारण चुकीचे आहे.
 (D) वरील कारण सत्य आहे, पण उचित नाही.
24. **विधान :** बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय यांचे संपूर्ण साहित्य मराठीत अनुवादित झाले आहे.
तर्क : मराठी कादंबरीच्या जडणघडणीवर बंकिमचंद्रांचा प्रभाव आहे.
- (A) विधान सत्य, परंतु तर्क अतिशयोक्त.
 (B) विधान असत्य, तरी तर्क संभाव्य.
 (C) विधान अर्धसत्य, तर्कही अर्धसत्य.
 (D) विधान आणि तर्क दोन्हीही असत्य.

25. आण्णासाहेब किलोस्कर यांना मराठी संगीत रंगभूमीचे संस्थापक असे म्हणतात- कारण-
- (A) किलोस्करांनी रोमँटिक स्वरूपाची नाट्यरचना केली.
- (B) किलोस्करांनी 'सौभद्र' या संगीतनाटकाची निर्मिती केली.
- (C) किलोस्करांना संगीताचे उत्तम ज्ञान होते.
- (D) किलोस्कर हे नाटककार देवलांचे मित्र होते.
26. 'मराठी वाङ्मय इतके परपुष्ट आहे की तितके परपुष्ट नाही' असे मर्ढेकर म्हणतात कारण-
- (A) मराठी साहित्यिकांचे इंग्रजी भाषेचे ज्ञान अल्प आहे.
- (B) मराठी साहित्यिकांचे भारतीय साहित्यावर अधिक प्रेम आहे.
- (C) मराठी साहित्यनिर्मितीवर केवळ इंग्रजी साहित्यविश्वाचा विशेष प्रभाव आहे.
- (D) मराठी साहित्यिक राष्ट्रभिमाना आहेत.
27. 'सौंदर्यमीमांसा' हा रा.भा. पाटणकर यांचा ग्रंथ सौंदर्यशास्त्रविषयक सैध्दांतिक चर्चा करणारा सर्वोत्कृष्ट ग्रंथ आहे कारण-
- (A) या ग्रंथात सौंदर्यशास्त्रविषयक समग्र चर्चेचा परीपूर्ण नकाशा काढला आहे.
- (B) पाटणकरांचा ग्रंथ सुरेंद्र बारलिंगे यांच्या ग्रंथापेक्षा चांगला ग्रंथ आहे.
- (C) या ग्रंथात कांट, क्रोचे व कालिंगवुड यांच्या उपपत्ती स्पष्ट करून सांगितल्या आहेत.
- (D) हा ग्रंथ मर्ढेकरांच्या 'सौंदर्य आणि साहित्य' या ग्रंथाची पुढली पायरी आहे.
28. विजय तेंडुलकरांच्या नाटकांनी मराठी नाट्यक्षेत्रात महत्त्वाचे स्थान प्राप्त केले, तसेच त्यांनी अनुवादित केलेल्या मोहन राकेश यांच्या 'आधे अधूरे' या नाटकानेही महत्त्वाचे स्थान प्राप्त केले.
- (A) वरील विधान संपूर्णपणे बरोबर आहे
- (B) वरील विधानात काहीच सत्यांश नाही.
- (C) वरील विधानातील पूर्वार्ध सत्य असला तरी उत्तरार्ध चुकीचा आहे.
- (D) वरील विधानातील पूर्वार्धात सत्यांश नाही, पण उत्तरार्ध स्वीकार्य आहे.

29. आधी भाषा निर्माण होते, आणि मग तिचे व्याकरण तयार होते. व्याकरणामुळे भाषेचे स्वरूप अधिक नियमित आणि शुद्ध बनते. व्याकरणाच्या आधारावर एखादी नवी भाषा बनविणे शक्य असते.
- (A) वरील तिन्ही विधाने बरोबर आहेत.
- (B) वरीलपैकी दोनच विधाने सिद्ध आहेत, तिसरे विवाद्य आहे.
- (C) वरीलपैकी एकच विधान बरोबर आहे.
- (D) वरीलपैकी एकही विधान बरोबर नाही.
30. नोकरीसाठी अर्ज करताना तो संबंधित पदाधिकाऱ्याच्या नावाने करावा, म्हणजे त्याच्या मनात अर्जदाराविषयी आपलेपणा निर्माण होतो.
- (A) वरील विधान पूर्णतः उचित आहे.
- (B) वरील विधानातील पूर्वार्ध उचित आहे, पण उत्तरार्ध विवाद्य आहे.
- (C) वरील विधान संपूर्ण चुकीचे आहे.
- (D) वरील विधानातील पूर्वार्ध विवाद्य असला तरी उत्तरार्ध सत्य आहे.
31. एखाद्या विशेष प्रसंगाचा वृत्तांत लिहिताना जास्तीत जास्त अलंकारिक भाषेचा वापर करावा, म्हणजे त्यातून भाषेचे सौंदर्य प्रकट होते.
- (A) वरील विधानात काहीही सत्यांश नाही.
- (B) वरील विधानातील पूर्वार्ध उचित नाही, पण उत्तरार्ध शक्य आहे.
- (C) वरील विधानातील पूर्वार्ध योग्य आहे, पण उत्तरार्ध असंभाव्य आहे.
- (D) वरील विधान संपूर्ण सत्य आहे.
32. जाहिरातीचा मसुदा तयार करताना भाषेच्या शैलीचे ज्ञान, चित्राच्या प्रतीकात्मकतेचे ज्ञान आणि वाचकाच्या मानसशास्त्राचे ज्ञान या सर्व घटकांचा हातभार लागतो.
- (A) वरील विधानातील तिन्ही घटक महत्त्वाचे आहेत.
- (B) वरील विधानातील केवळ एकच घटक अर्थपूर्ण आहे.
- (C) वरील विधानातील एकही घटक आवश्यक नाही.
- (D) वरील विधानातील दोन घटकच आवश्यक आहेत.

33. शेक्सपियरची नाटके रूपांतर, भाषांतर आणि समांतर निर्मिती अशा सर्व वाटांनी मराठीत अवतरली आणि ही सर्व प्रक्रिया दोन शतके चालू राहिली.
- (A) वरील विधान सर्वथा अतिशयोक्त आहे.
- (B) वरील विधान पूर्णतः उचित आहे.
- (C) वरील विधानाचा पूर्वार्ध उचित आहे, पण उत्तरार्ध अतिशयोक्त आहे.
- (D) वरील विधानाचा पूर्वार्ध अतिशयोक्त आहे, पण उत्तरार्ध उचित आहे.
34. केशवसुत, बालकवी, गोविंदाग्रजादी कवींच्या कवितेला रोमँटिक संप्रदायाची कविता असे म्हणतात कारण तीवर वर्डस्वर्थ, कोलरिज, शेली, बायरन, कीट्स या इंग्रजीतील रोमँटिक कवींच्या कवितेचा प्रभाव आहे.
- (A) हे विधान पूर्णपणे चूक आहे.
- (B) हे विधान पूर्णपणे बरोबर आहे.
- (C) या विधानाचा पूर्वार्ध चूक आहे.
- (D) या विधानाचा उत्तरार्ध चूक आहे.
35. भाषा ही परस्पर संपर्कासाठी समाजाने निर्माण केली आहे तशीच ती ईश्वराने देखील निर्माण केली आहे.
- (A) संपूर्ण विधान बरोबर आहे.
- (B) विधानाचा उत्तरार्ध बरोबर आहे.
- (C) विधानाचा पूर्वार्ध बरोबर आहे.
- (D) संपूर्ण विधान चूक आहे.
36. प्रत्येक विनोदनिर्मितीस कारूण्याची किनार असते कारण विनोद हा मानवी दुःखातूनच जन्माला येतो.
- (A) या विधानाचा पूर्वार्ध बरोबर आहे.
- (B) या विधानाचा उत्तरार्ध बरोबर आहे.
- (C) हे संपूर्ण विधान बरोबर आहे.
- (D) हे संपूर्ण विधान चूक आहे.

37. साहित्य निर्मितीतील विविधतेच्या दृष्टीने पुढील साहित्यिकांची चढत्या क्रमाने मांडणी करा.

- (i) बा. सी. मर्ढेकर
- (ii) साने गुरूजी
- (iii) जयवंत दळवी
- (iv) जी. ए. कुलकर्णी
- (A) (i), (iii), (iv), (ii)
- (B) (ii), (iii), (i), (iv)
- (C) (iv), (ii), (iii), (i)
- (D) (iv), (i), (iii), (ii)

38 पुढील कवींची कालानुक्रमे नावे लिहा.

- (i) सामराज
- (ii) मुक्तेश्वर
- (iii) निरंजन माधव
- (iv) चोखामेळा
- (A) (iv), (ii), (i), (iii)
- (B) (iii), (iv), (ii), (i)
- (C) (ii), (iii), (iv), (i)
- (D) (i), (iv), (iii), (ii)

39. पुढील अर्वाचीन कवींची कालानुक्रमे नावे लिहा

- (i) कुसुमाग्रज
- (ii) केशवकुमार
- (iii) ग्रेस
- (iv) गोविंदाग्रज
- (A) (ii), (iii), (iv), (i)
- (B) (iv), (ii), (i), (iii)
- (C) (iii), (iv), (i), (ii)
- (D) (i), (iv), (ii), (iii)

40. पुढील आत्मचरित्रे प्रासिद्धिक्रमानुसार लिहा.

- (i) कृष्णाकाठ
- (ii) पथिक
- (iii) माझे जीवन एक कादंबरी
- (iv) हरवलेले दिवस
- (A) (ii), (iv), (iii), (i)
- (B) (iv), (ii), (iii), (i)
- (C) (iii), (ii), (i), (iv)
- (D) (i), (iv), (ii), (iii)

41 पुढील अनुवादांची कालक्रमाने व्यवस्था लावा

- (i) 'विकारविलसित' : गोपाळ गणेश आगरकर
- (ii) 'झुंजारराव' : गोविंद बल्लाळ देवल
- (iii) 'राजमुकुट' : वि.वा. शिरवाडकर
- (iv) 'हॅम्लेट' : नाना जोग
- (A) (i), (ii), (iii), (iv)
- (B) (ii), (iii), (i), (iv)
- (C) (i), (ii), (iv), (iii)
- (D) (iii), (iv), (i), (ii)

42. कालानुक्रमाने पुढील समीक्षाविषयक सिद्धांत सांगा

- (i) वाङ्मयीन महात्मता
- (ii) सविकल्प समाधी
- (iii) द्विध्रुवात्मकतेचा सिद्धांत
- (iv) पुनः प्रत्यय
- (A) (iii), (ii), (iv), (i)
- (B) (i), (iii), (ii), (iv)
- (C) (iv), (i), (iii), (ii)
- (D) (ii), (iv), (i), (iii)

43. अरबी भाषेतील सुरस आणि चमत्कारिक कथांचा अनुवाद कृष्णशास्त्री चिपळूणकरांनी केला होता, तरी गौरी देशपांडे यांनी पुन्हा त्यांचा अनुवाद केला, कारण-

(A) पहिला अनुवाद उपलब्ध नव्हता.

(B) पहिला अनुवाद मुळाबरहुकूम नव्हता.

(C) पहिला अनुवाद चुकीचा व संक्षिप्त होता.

(D) वरील सर्व कारणे अस्तित्वात होती.

44. (a) मराठीतील पहिली कादंबरी, (b) मराठीतील पहिले नाटक, (c) मराठीतील पहिले चरित्र आणि (d) मराठीतील पहिले खंडकाव्य यांचा कालानुक्रम सांगा.

(A) (b), (a), (d), (c)

(B) (c), (b), (a), (d)

(C) (a), (d), (c), (b)

(D) (d), (c), (b), (a)

45. (a) आनंदवर्धनांचा 'ध्वन्यालोक', (b) भरतांचे 'नाट्यशास्त्र' (c) दण्डींचा 'काव्यादर्श' आणि (d) मम्मटांचा 'काव्यप्रकाश' यांचा कालानुक्रम सांगा.

(A) (a), (d), (b), (c)

(B) (c), (a), (d), (b)

(C) (b), (c), (a), (d)

(D) (d), (b), (c), (a)

पुढील उतारा वाचून त्याखालील प्रश्नांची उत्तरे द्या-

प्रमाणभाषेच्या संदर्भातच आणखी एक विचार करावयाचा तो असा की प्रमाणभाषा बऱ्याच अंशी एक काल्पनिक व कृत्रिम माध्यम आहे. समाजगत साधारण पण महत्त्वाच्या व्यवहारांसाठी ते वापरायचे. भाषा शिकताना हीच प्रमाणभूत भाषा प्राप्त करणे हे आपले लक्ष्य असते. सर्वच जण ती प्रमाण भाषा वापरतात एका व्यक्तीची भाषा, मग ती व्यक्ती कितीही महान असो, प्रमाणभाषा होऊ शकत नाही. कारण प्रत्येक व्यक्ती एकच भाषेचा वापर करित असली तरी त्यात तिचे व्यक्तित्व सामावलेले असते. यास्तव सर्वांच्या व्यवहाराच्या प्रमाणभाषेत अशी काही तत्त्वे असतात की ज्यामुळे ती त्या पदावर प्रतिष्ठित होते. या दृष्टीने पाहता प्रमाणभाषेचा विशुद्धपणे वापर करणारा एकही नसेल, हे म्हणणे काहीसे विचित्र असले तरी वस्तुतः खरे आहे. फार तर एवढे म्हणता येईल की, जो कोणी प्रमाणभाषेला अगदी निकट असलेले भाषारूप वापरीत असेल, त्या प्रमाणात ती प्रमाणभाषा मानली जाईल. एरवी काहीसे वेगळे रूप 'बोली' या संज्ञेस प्राप्त होईल. प्रमाणभाषेबाबत एखाद्या बोलीच्या संदर्भात विचार करावयाचा तर असे म्हणता येईल की प्रमाणभाषेच्या एकूण विस्ताराच्या मानाने बोलीचे क्षेत्र अगदीच सीमित असेल. नित्याच्या घरगुती व्यवहारात आपल्या बोलीचा उपयोग केला तरी सामाजिक बाबतीत प्रमाणभाषा हा आधार असेल. बोलीत साहित्य जवळ जवळ नसतेच. पण असलेच तर प्रमाणभाषेच्या तुलनेने तोकडे. त्या दृष्टीने तिचे व्याकरणिक रूप लवचिक असेल, शब्दभांडार समन्वयात्मकतेच्या व सर्वांगीण दृष्टिकोणाच्या अभावामुळे अपुरे असेल. प्रमाणभाषेतील उच्चारणविशुद्धता, संपन्नता बोलीत नसेल. प्रादेशिकतेच्या प्रभावामुळे बोलीत प्रयोग भिन्नता राहिल. पण ही भिन्नता जेव्हा 'प्रमाणभाषा' ही त्या क्षेत्रातील एखाद्या बोलीचे विकसित व महत्त्वपद प्राप्त रूप असेल तेव्हाच येऊ शकेल. एरवी भारतासारख्या भिन्न भिन्न भाषा असलेल्या देशात हिंदीसारखी संपर्कभाषा असल्यास एक वेगळी स्थिती निर्माण होते. त्या ठिकाणी ती एका संघराज्याची संपर्कभाषा ठरते व प्रादेशिक भाषा ह्या त्या त्या प्रदेशाच्या प्रमाणभाषा होतात. असे असूनही आज हिंदीच्या काही बोली आस्तित्वात येऊ पाहत आहेत व त्यांचे भौगोलिक स्थान देशातील विभिन्न भागात आहे.

46. प्रमाणभाषेचे माध्यम कशासाठी महत्त्वपूर्ण ठरते ?

- (A) लेखन-वाचन करण्यासाठी. (B) व्यक्ति-विकास करण्यासाठी.
(C) समाजगत व्यवहारासाठी. (D) मनोरंजन करण्यासाठी.

47. प्रमाणभाषा कोणत्याही एकाच व्यक्तीची का होऊ शकत नाही ?

- (A) ती त्या प्रदेशातील सर्वांची असते म्हणून. (B) ती मूठभर लोकांची असते म्हणून.
(C) तिच्यावर बोलीचा प्रभाव असतो म्हणून. (D) प्रमाणभाषेची विशिष्ट तत्त्वप्रणाली असते म्हणून.

48. वरील उताऱ्यात प्रमाणभाषेचे मुख्य वैशिष्ट्य कोणते सांगितलेले आहे ?

- (A) नित्याच्या व्यवहारात प्रमाणभाषा बोलली जाते.
(B) प्रमाणभाषेचे व्याकरणिक रूप लवचिक असते.
(C) प्रमाणभाषेत शब्दभांडार व समन्वयात्मकतेचा अभाव असतो.
(D) प्रमाणभाषेचे क्षेत्र विस्तारित असते.

49. वरील उताऱ्यात बोलीचे कोणते लक्षण सांगितले आहे ?

- (A) बोलीत साहित्याची निर्मिती होऊ शकते.
- (B) बोलीला समाजाची मान्यता आणि राज्यमान्यता असते.
- (C) प्रमाणभाषेतील उच्चारत असलेली शुद्धता व संपन्नता बोलीत नसते.
- (D) बोलीचे क्षेत्र विस्तृत असते.

50. भारतासारख्या भिन्न भिन्न भाषा असलेल्या देशात हिंदीसारखी संपर्क भाषा असल्यास कोणती स्थिती निर्माण होते ?

- (A) हिंदी एका संघराज्याची संपर्क भाषा ठरते.
- (B) प्रचार-प्रसार माध्यमाची भाषा ठरते.
- (C) केवळ एका समाजाची अथवा धर्मियांची भाषा ठरते.
- (D) ती एका प्रदेशाची बोली ठरते.

Space For Rough Work